

परिभाषक पुं. (तत्.) 1. निदंक 2. निंदा आदि के द्वारा किसी का अपमान करने वाला।

परिभाषण पुं. (तत्.) 1. निंदा सहित उपालंभ देना, दोषारोपण 2. किसी को दोषी ठहराते हुए उसके कार्य से असंतुष्ट होना, असंतोष प्रकट करना 3. फटकार, दुर्वचन 4. बातचीत, वार्तालाप, भाषण 5. नियम, कायदा, दस्तूर।

परिभाषा स्त्री. (तत्.) 1. किसी वस्तु या अवधारणा का नपा-तुला परिचय, किसी वस्तु या व्यक्ति के रूप, गुण, स्वरूप तथा वैशिष्ट्य आदि की यथार्थ प्रस्तुति 2. परिष्कृत भाषण, स्पष्ट कथन 3. लक्षण 4. शास्त्र, कला, विद्या, विज्ञान या अनुशासन विशेष के क्षेत्र में विशिष्ट अर्थ में प्रयुक्त होने वाला शब्द या संज्ञा 5. किसी पद या शब्द का अर्थ या आशय स्पष्ट करने वाला कथन।

परिभाषित वि. (तत्.) 1. स्पष्ट रूप से कथित, अच्छी या भली प्रकार से कहा गया 2. वह जिसकी परिभाषा दी गई हो, जिसका अर्थ किसी विशेष सूत्र या नियम द्वारा परिमित किया गया हो।

परिभाषी वि. (तत्.) बोलने वाला, भाषणकारी पुं. वह व्यक्ति जो बोले, कहे।

परिभाष्य वि. (तत्.) 1. कहने योग्य, बताने योग्य, कथन-योग्य 2. जिसकी परिभाषा की जा रही हो, जिसकी परिभाषा की जानी हो।

परिभिन्न वि. (तत्.) 1. जिसका स्वरूप या आकार विकृत हो चुका हो 2. फटा, कटा या टूटा हुआ, विदीर्ण।

परिभुक्त वि. (तत्.) 1. जिसका भोग किया जा चुका हो, जो काम में आ चुका हो, उपभुक्त 2. अधिकार में किया हुआ।

परिभुग्न वि. (तत्.) 1. झुका हुआ 2. टेढ़ा-मेढ़ा।

परिभू वि. (तत्.) 1. जो चारों ओर से घेरा डाले हो/घेरे हुए हो/आच्छादित हो, आवेष्टित करने वाला 2. नियामक 3. परिचालक।

परिभूत वि. (तत्.) 1. हारा हुआ, हराया हुआ, पराजित 2. जिसका अनादर या तिरस्कार किया गया हो, अनादृत, तिरस्कृत, अपमानित।

परिभूति स्त्री. (तत्.) 1. तिरस्कार, निरादर, अपमान 2. श्रेष्ठता।

परिभूषण पुं. (तत्.) 1. सजाना, सजावट करना, सजाने की क्रिया, बनाना-सँवारना, अच्छी तरह भूषित करना, अलंकृत करना 2. किसी विशिष्ट प्रदेश या भूखंड का राजस्व किसी को देकर स्थापित की जाने वाली शांति 3. आक्रामक को मालगुजारी आदि देकर की जाने वाली संधि।

परिभूषित वि. (तत्.) सँवारा हुआ, शृंगार युक्त, सजाया गया।

परिभृष्ट वि. (तत्.) 1. परिमार्जित, साफ-सुथरा, धोया हुआ 2. व्याप्त, परिपूर्ण 3. जिसमें परामर्श किया गया हो 4. आलिंगित, छुआ हुआ, स्पृष्ट 5. जिसके संदर्भ में परामर्श किया जा चुका हो।

परिभेद पुं. (तत्.) तलवार या तीर आदि से लगा हुआ घाव, क्षत, जख्म, शस्त्रादि का आघात।

परिभेदक पुं. (तत्.) 1. छेदने वाला या फाड़ने वाला व्यक्ति 2. मनुष्य का ऐसा हथियार जो गहरा घाव करता हो वि. 1. आघातकारी काटने या छेदने वाला 2. परिमित करने वाला।

परिभोक्ता पुं. (तत्.) 1. दूसरों के धन का उपभोग करने वाला 2. गुरु के धन का उपभोग करने वाला।

परिभोग पुं. (तत्.) 1. बिना किसी अधिकार के परकीय वस्तु का उपभोग करना 2. अत्यधिक किया जाने वाला भोग 3. स्त्री के साथ किया जाने वाला भोग, संभोग।

परिभ्रंश पुं. (तत्.) 1. गिराना, पतन, च्युति, स्खलन 2. भागना, भगदड़, पलायन।

परिभ्रम पुं. (तत्.) 1. चारों तरफ घूमना, इधर-उधर टहलना, भ्रमण करना 2. घुमा-फिराकर कहना, प्रकारांतर से कहना 3. भ्रम, प्रमाद, भ्रांति।